वर्ष 2025 | माह अगस्त | अंक 44

बालमन

देश की सबसे बड़ी प्रोफेशनल लर्निंग कम्युनिटी टीचर्स ऑफ बिहार की प्रस्तुति

निःशुल्क बालमन को पढ़ने के लिए
QR कोड स्कैन करें या क्लिक करे

बच्चों की प्रतिभा को दे एक नया आयाम।
बालमन से मिले हर प्रतिभा को सम्मान।।

राजकीय मध्य विद्यालय चकिया कन्या, पूर्वी चंपारण

नवसृजित प्राथमिक विद्यालय साह टोला बीप के निकट, जमुनिया चकिया, पूर्वी चंपारण बिहार

रश्मि प्रभा

कार्यालय
संयुक्त निदेशक
राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद
पटना(बिहार)

शुभकामना संदेश

मुझे यह जानकर बहुत प्रसन्नता हुई कि हमारे सरकारी विद्यालय के छात्र/छात्राओं को जागरूक बनाने तथा प्रतिभावान बच्चों के प्रतिभा को प्रदर्शित कर प्रोत्साहित और सम्मानित करने के उद्देश्य से टीचर्स ऑफ बिहार 'बाल मन' पत्रिका का प्रकाशन विगत कई वर्षों से कैमूर जिले के शिक्षक सह प्रधान संपादक श्री धीरज कुमार द्वारा किया जा रहा है। इस प्रकार की मासिक पत्रिका का प्रकाशन बच्चों के सृजनात्मक विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसके माध्यम से बच्चें ज्ञान, कला और सृजनशीलता के साथ सुनहरे भविष्य के लिए अपना मार्ग प्रशस्त करेंगे।
आशा है कि इस बाल मन पत्रिका से विद्यार्थी ,शिक्षक एवं समाज में सकारात्मक और उन्नत सोच विकसित होगा।

मैं इस उपयोगी पत्रिका के प्रकाशन के लिए बधाई देते हुए राज्य स्तर पर विद्यार्थी हित में बाल मन के प्रकाशन की सफलता हेतु अपनी शुभकामना व्यक्त करती हूँ।

रश्मि प्रभा
ज्वाइंट डायरेक्टर
SCERT पटना (बिहार)

05 अक्टूबर 2024

सम्पादकीय

प्यारे बच्चों,

आज़ादी की खुली हवा में गर्व के साथ अपना तिरंगा आसमान की ऊंचाई को छू रहा है,ठीक इसी तरह आप भी अपने देश के लिए कुछ करने का जज़्बा रखते हुए अपने देश को सदा आगे रखने में सहयोगी बने।देश की सेवा बॉर्डर पर वीर जवान कर रहे है आप चाहे तो अपने आस - पास सफाई रखते हुए और देश के प्रति अपनी जिम्मेदारी को निभा कर भी देश की सेवा कर सकते है।बचपन से अच्छी आदतें ही हमें एक जिम्मेदार नागरिक बनाती है।बालमन टीम आप सभी नन्हें कलाकारो का बहुत सम्मान करती है।आप सभी जिस तरह से बालमन से जुड़ कर अपनी प्रतिभा और कला को हम तक पहुंचाते हैं, ऐसे ही जारी रखे। राज्य स्तर से लेकर राष्ट्रीय स्तर पर आपकी प्रतिभा सभी को पसंद आ रही है।

बच्चो ! हमे आपको बताते हुए बहुत ही हर्ष हो रहा हैं कि टीचर्स ऑफ बिहार बालमन सभी के बीच काफी लोकप्रिय है। हम शुरू से बेहतर से बेहतरीन की ओर अग्रसर है। इस महीने की पत्रिका को आपको समर्पित करते हुए हमे बहुत खुशी हो रही है। आज का जमाना सोशल मीडिया का है। यदि आपके पास कला है तो उसे अपने शिक्षको से जरूर साझा करे और बालमन की टीम के माध्यम से उसे जरूर हम तक पहुंचाए।

हमारी ToB बाल मन पत्रिका की टीम बेहतर से बेहतर करने के लिए सदा प्रयन्नशील है। अनजाने में कोई भूल या त्रुटि हुई हो तो उसके लिए हम क्षमाप्रार्थी है। हम आपके उज्जवल भविष्य की कामना करते है।

शुभकामनाओं सहित

धीरज कुमार

प्रधान संपादक (बालमन पत्रिका)

N.P.S. हरनाटॉड

भभुआ, कैमूर (बिहार)

बालमन सम्पादक मंडल

प्रधान सम्पादक सह ग्राफिक्स डिजाइनर

धीरज कुमार, नव. प्रा. वि. हरनाटॉड, भभुआ कैमूर(बिहार)

राष्ट्रीय समन्वयक समिति

1. शरद कुमार वर्मा (उत्तर प्रदेश)
2. निकिता चौधरी (गुजरात)
3. सिध्दार्थ सपकाळे (महाराष्ट्र)
4. दीपिका श्रीवास्तव एवं राघवेंद्र चंद्रा (छत्तीसगढ़)
5. अभय शर्मा (मध्य प्रदेश)

राज्य समन्वयक समिति

1.कुमार राकेश मणि, उ. मा. वि. कोटा, नुआंव (कैमूर)

2.राकेश कुमार, म.वि. बलुआ, मनेर (पटना)

3.रवि शर्मा,प्रा वि पकड़ी अनु.जाति टोला रामनगर(पश्चिम चंपारण)

4.पुष्पा प्रसाद, रा. कन्या मध्य विद्यालय कुचायकोट (गोपालगंज)

5.ओम प्रकाश, मध्य विद्यालय दोगच्छी, नाथनगर (भागलपुर)

संरक्षक

1. शिव कुमार, संस्थापक, टीचर्स ऑफ़ बिहार
2. ई. शिवेंद्र प्रकाश सुमन, ToB तकनीकी टीम लीडर

आपके लिए इस अंक में

	पेज संख्या
1. अनमोल विचार	01
2. प्रेरक प्रसंग	02
3. आपने कहा	04
4.अंतर खोजें	05
5.डॉट्स मिलाओ	08
6. नन्हें कलाकार	09
7.रास्ता खोजें	14
8. इंग्लिश कॉर्नर	18
9. बालमन पेंटिंग	19
10. हंसी के हंसगुल्ले	25
11. रोचक गणित	26
12. पेन पेंसिल आर्ट	27
13.खेल कॉर्नर	29
14. दर्शनीय स्थल	31
15.गुणकारी फल	32
16. हम कम नहीं	33
17.कहना जरूरी हैं	34
18.क्विज टाइम	37
19.बूझो तो जानें	38
20. विज्ञान कॉर्नर	39
21.चेतना सत्र	43
22.बालमन कहानी	44
23. यात्रा वृत्तांत	46
24.विजेता	47

TEACHERS OF BIHAR
THE CHANGE MAKERS

बालमन

अनमोल विचार

"जो शोर के बीच भी संगीत सुन सकता है, वह महान उपलब्धियां हासिल कर सकता है।"

जन्म
12 अगस्त
1919

मृत्यु
30दिसंबर
1971

विक्रम साराभाई
(भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम के जनक व वैज्ञानिक)

प्रेरक प्रसंग

॥ चार मोमबत्तीयाँ

रात का समय था। चारों ओर पूरा अंधेरा छाया हुआ था। केवल एक ही कमरा प्रकाशित था। वहाँ चार मोमबत्तियाँ जल रही थी।

चारों मोमबत्तियाँ एकांत देख आपस में बातें करने लगी। पहली मोमबत्ती बोली, "मैं शांति हूँ, जब मैं इस दुनिया को देखती हूँ, तो बहुत दुःखी होती हूँ। चारों ओर आपा-धापी, लूट-खसोट और हिंसा का बोलबाला है। ऐसे में यहाँ रहना बहुत मुश्किल है। मैं अब यहाँ और नहीं रह सकती।" इतना कहकर मोमबत्ती बुझ गई।

दूसरी मोमबत्ती भी अपने मन की बात कहने लगी, "मैं विश्वास हूँ, मुझे लगता है कि झूठ, धोखा, फरेब, बेईमानी मेरा वजूद ख़त्म करते जा रहे हैं। ये जगह अब मेरे लायक नहीं रही। मैं भी जा रही हूँ।" इतना कहकर दूसरी मोमबत्ती भी बुझ गई।

तीसरी मोमबत्ती भी दुःखी थी। वह बोली, "मैं प्रेम हूँ, मैं हर किसी के लिए हर पल जल सकती हूँ। लेकिन अब किसी के पास मेरे लिए वक़्त नहीं बचा। स्वार्थ और नफरत का भाव मेरा स्थान लेता जा रहा है। लोगों के मन में अपनों के प्रति भी प्रेम-भावना नहीं बची। अब ये सहना मेरे बस की बात नहीं। मेरे लिए जाना ही ठीक होगा।" कहकर तीसरी मोमबत्ती भी बुझ गई।

तीसरी बत्ती बुझी ही थी कि कमरे में एक बालक ने प्रवेश किया। मोमबत्तियों को बुझा हुआ देख उसे बहुत दुःख हुआ। उसकी आँखों से आँसू बहने लगे। दुःखी मन से वो बोला, "इस तरह बीच में ही मेरे जीवन में अंधेरा कर कैसे जा सकती हो तुम। तुम्हें तो अंत तक पूरा जलना था। लेकिन तुमने मेरा साथ छोड़ दिया। अब मैं क्या करूंगा?"

बालक की बात सुन चौथी मोमबत्ती बोली, "घबराओ नहीं बालक, मैं आशा हूँ और मैं तुम्हारे साथ हूँ। जब तक मैं जल रही हूँ, तुम मेरी लौ से दूसरी मोमबत्तियों को जला सकते हो।"

चौथी मोमबत्ती की बात सुनकर बालक का ढांढस बंध गया। उसने आशा के साथ शांति, विश्वास और प्रेम को पुनः प्रकाशित कर लिया।

रजनीश कुमार पाठक

पद्य पंकज

यह जन्म हुआ किस अर्थ अहो
समझो जिसमें यह व्यर्थ न हो
कुछ तो उपयुक्त करो तन को नर
हो, न निराश करो मन को

मैथिलीशरण गुप्त

जन्म : 03 अगस्त 1886

मृत्युः 12 दिसंबर 1964

आपने कहा

ToB बालमन पत्रिका बहुत ही अच्छी पत्रिका है। यह गागर में सागर के समान है। विद्यालय के हर गतिविधि को शामिल कर के बच्चों को पूरी जानकारी दी जाती हैं। इस पत्रिका को हर स्कूल और बच्चों तक पहुंचना चाहिए। विद्यालय की गतिविधि और बच्चों की रचनात्मकता और प्रतिभा को प्रोत्साहित करने के लिए पूरी टीम का बहुत बहुत धन्यवाद और बधाई।

राजीव कुमार(शिक्षक)
मध्य विद्यालय सुखासन कोठी,पूर्णिया(बिहार)

ToB बालमन एक सुंदर पत्रिका है। मैं इस पत्रिका को पिछले दो माह से पढ़ रही हूं। इसकी रचना और गतिविधि हमें प्रेरणा देती हैं।अब हमें हर माह इस पत्रिका का इंतजार रहता हैं।

नाम - अंशु कुमारी
वर्ग - 8
मध्य विद्यालय सुखासन कोठी, बी कोठी, पुर्णिया , बिहार

अन्तर खोजें

30 सेकंड में 5 अन्तर खोजें

आप अपने जवाब को हमे 9431680675 पर भेज सकते हैं।

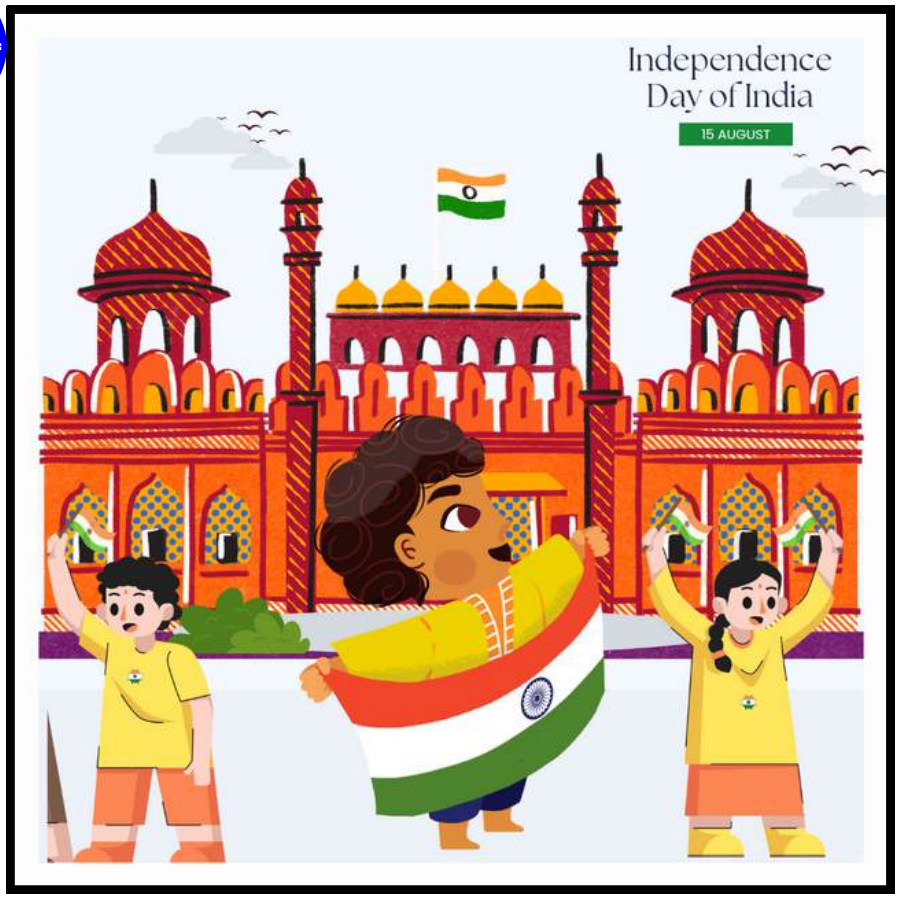

ToB मास्टर साहेब कहिन....

बालमन श्यामपट्ट

भारत में रविवार की छुट्टी

भारत में रविवार की छुट्टी नारायण मेघाजी लोखंडे के प्रयासों से घोषित की गई थी। 10 जून, 1890 को ब्रिटिश सरकार ने भारतीय श्रमिकों को साप्ताहिक अवकाश के रूप में रविवार को मान्यता दी।यह फैसला लोखंडे द्वारा मजदूरों के अधिकारों के लिए चलाए गए आंदोलन का परिणाम था।

SUNDAY

मास्टर साहेब: धीरज कुमार
N.P.S. हरनाटाड, भभुआ, कैमूर (बिहार)

ToB बालमन

धीरू और पीहू

रंग रूप और प्रतिभा

धीरज कुमार

बालमन

रोचक तथ्य

राकेश कुमार

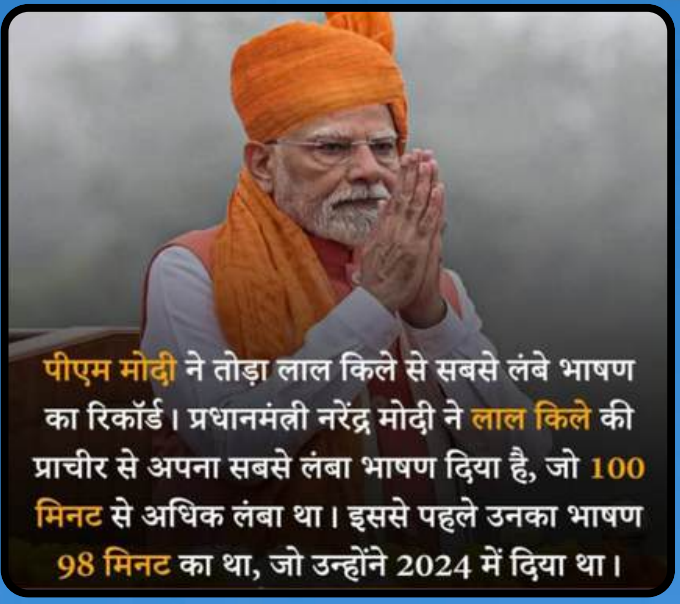

पीएम मोदी ने तोड़ा लाल किले से सबसे लंबे भाषण का रिकॉर्ड। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लाल किले की प्राचीर से अपना सबसे लंबा भाषण दिया है, जो 100 मिनट से अधिक लंबा था। इससे पहले उनका भाषण 98 मिनट का था, जो उन्होंने 2024 में दिया था।

जापान ने अपने देश को सुनामी से बचाने के लिए सुनामी ढाल बनाया है। जापान ने अपनी तटीय सुरक्षा के लिए 90 लाख पेड़ों से 395 किलोमीटर लंबी सुनामी दीवार बनाई है। ताकि प्रकृति के सहारे समुद्र से बचाव हो सके।

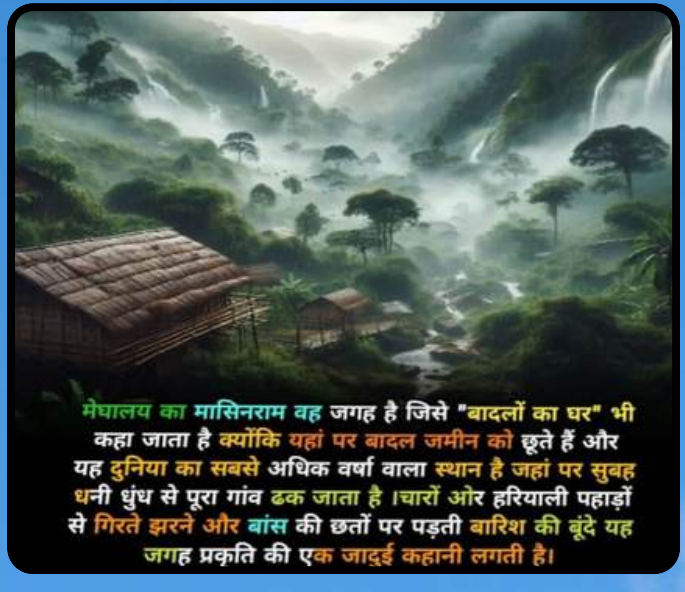

मेघालय का मासिनराम वह जगह है जिसे "बादलों का घर" भी कहा जाता है क्योंकि यहां पर बादल जमीन को छूते हैं और यह दुनिया का सबसे अधिक वर्षा वाला स्थान है जहां पर सुबह धनी धुंध से पूरा गांव ढक जाता है।चारों ओर हरियाली पहाड़ों से गिरते झरने और बांस की छतों पर पड़ती बारिश की बूंदे यह जगह प्रकृति की एक जादुई कहानी लगती है।

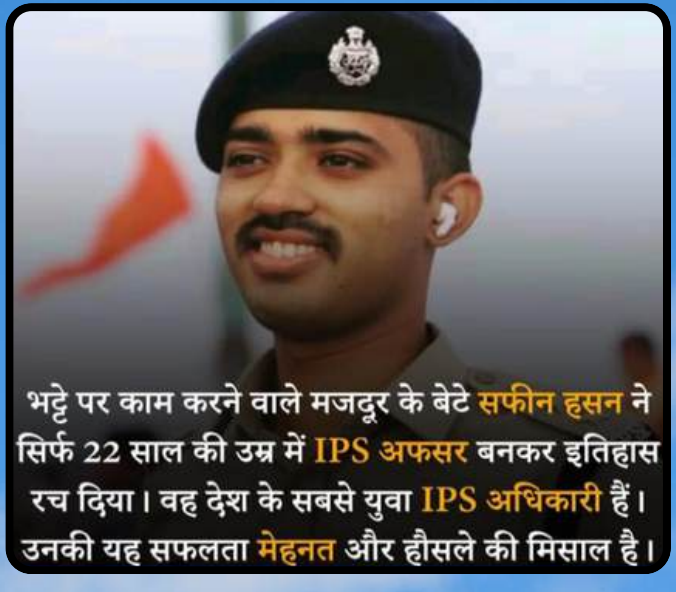

भट्टे पर काम करने वाले मजदूर के बेटे सफीन हसन ने सिर्फ 22 साल की उम्र में IPS अफसर बनकर इतिहास रच दिया। वह देश के सबसे युवा IPS अधिकारी हैं। उनकी यह सफलता मेहनत और हौसले की मिसाल है।

ToB बालमन

डॉट्स मिलाओ चित्र बनाओ

रवि शर्मा

बालमन

भाग-1

नन्हें कलाकार

उत्क्रमित मध्य विद्यालय छोटका कटरा,मोहनियां कैमूर

NPS हरनाटाड, भभुआ

प्राथमिक शाला हरदी, बिलासपुर छत्तीसगढ़

उ म वि कल्याणीपुर,कैमूर

मध्य विधालय हकपाड़ा सतरकटैया ,सहरसा

प्राथमिक कन्या विद्यालय लक्ष्मीपुर, रोसड़ा, समस्तीपुर

उ म वि सिलौटा, भभुआ, कैमूर

राजकीय कन्या मध्य विद्यालय कुचायकोट,गोपालगंज

नव. प्रा वि साह टोला, जमुनिया चकिया पूर्वी चंपारण

राजकीय मध्य विद्यालय तेतरिया पूर्वी चंपारण

मध्य विद्यालय कोआही,रून्नीसेदपुर,सीतामढ़ी

UHS सलथुआ, कुदरा, कैमूर

NPS BALRA DUSAD TOLI BARAULI,GOPALGANJ

+2 नेशनल अकादमी उच्च विद्यालय गांगी हाट किशनगंज

उ म वि फुलवरिया, घंघटी चकिया,पूर्वीचंपारण

उत्क्रमित मध्य विद्यालय सिलौटा, भभुआ, कैमूर

बालमन

स्वास्थ्य सुझाव

धीरज कुमार

Health is wealth

स्वस्थ जीवनशैली से पाए स्वस्थ जीवन

बारिश में स्वस्थ रहने के लिए साफ-सफाई का ध्यान रखें, उबला या फिल्टर किया हुआ पानी पिएं, बाहर के खाने से बचें।अपने हाथों को नियमित रूप से साबुन से धोएं और रोज नहाएं।

CYBERमंत्र

साइबर शिक्षा से साइबर सुरक्षा

सार्वजनिक यूएसबी पोर्ट के माध्यम से अपने फोन को चार्ज करते समय सावधान रहें, क्योंकि इनका उपयोग आपका डेटा चुराने के लिए किया जा सकता है।

OLD IS GOLD

एथलीट रामबाई जी

हरियाणा की रामबाई 107 की उम्र में भी दौड़ती है।इनका जज़्बा ऐसा है कि ये अब तक राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लगभग 200 के आस पास मेडल जीत चुकी है।100 की उम्र में दौड़ना शुरू करते हुए आज इनकी चर्चा पूरे देश सहित विदेश में भी है।

फोटो साभार:मॉर्निंग न्यूज इंडिया

बालमन

भाग-2

नन्हें कलाकार

मध्य विद्यालय बलुआ, मनेर, पटना

उत्क्रमित मध्य विद्यालय वैजनाथ, रामगढ़, कैमूर

प्राइमरी स्कूल प्रमोदनगर,बोधगया,गया

उत्क्रमित मध्य विद्यालय दुधरा,भभुआ,कैमूर

प्राथमिक विद्यालय पटिया,अखलासपुर,कैमूर

मध्य विद्यालय बलुआ, मनेर, पटना

उ म वि झोआ आजमनगर,कटिहार

उत्क्रमित मध्य विद्यालय हरिहरपुर, भभुआ, कैमूर

उर्दू प्राथमिक विद्यालय भभुआ ,कैमूर

उत्क्रमित मध्य विद्यालय वैजनाथ, रामगढ़, कैमूर

उ म वि गोपालपुर, नेउरा सरैया,मुजफ्फरपुर

उत्क्रमित मध्य विद्यालय फुलवरिया घनघटी,पूर्वी चंपारण

प्राथमिक शाला हरदी, बिलासपुर, छत्तीसगढ़

प्रा वि पटिया, भभुआ, कैमूर

प्रा ०वि ० प्रखंड कॉलोनी फुलवारीशरीफ,पटना

प्रा वि पासवान टोला किरकिचिया,अररिया

उ म वि गोपालपुर, नेउरा सरैया,मुजफ्फरपुर

म वि बेलगोपी, गायघाट, मुजफ्फरपुर

बालमन कविता

तिरंगा

तीन रंग से अपना तिरंगा सजा हुआ।
आयताकार आकार ये है लिया हुआ।।
बीच में अशोक चक्र से शोभा बढ़ा हुआ।
आकाश छूकर अपना झंडा शान से फहरा रहा।।

ऊपर में केशरीया से बल भरा हुआ।
बीच में सफेद शांति सदेश है दिया।।
हरा से हरियाली पूरी धरती सजा हुआ।
आजादी का जश्न पूरा देश खुशी से मना रहा।।

आजादी से अपना सपना पूरा हुआ।
हर एक भारतवासी का सीना गर्व से चौड़ा हुआ।

सुनिधि कुमारी ,वर्ग ५
UMS सिलौटा ,भभुआ
कैमूर

बालमन

भाग-3

नन्हें कलाकार

नव. प्रा वि साहू टोला
जमुनिया चकिया पूर्वी चंपारण

प्रा वि बथना मेहंसी
पूर्वी चंपारण

प्रा वि बथना मेहंसी
पूर्वी चंपारण

उत्क्रमित मध्य विद्यालय बैजनाथ
रामगढ़, कैमूर

प्रा ०वि ० प्रखंड कॉलोनी
फूलवारीशरीफ, पटना

उ म वि दुघरा
भभुआ कैमूर

म वि , मनेर पटना

प्राथमिक विद्यालय जगरिया, चैनपुर, कैमूर

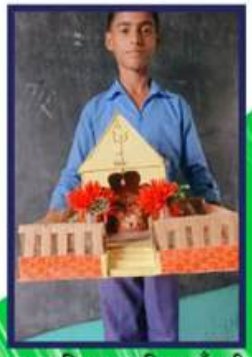

उ म वि फुलवरिया घँघटी
चकिया पू चम्पारण

प्राथमिक शाला हरदी, बिलासपुर
छत्तीसगढ़

उ म वि दुघरा
भभुआ कैमूर

मध्य विद्यालय बेलगोपी,
गायघाट, मुजफ्फरपुर

उत्क्रमित मध्य विद्यालय जोगीयमारन, रजौली,नवादा

उत्क्रमित मध्य विद्यालय लदनिया
महुलिया,मधुबनी

मध्य विद्यालय कोआही
रुन्नीसेदपुर,सीतामढ़ी

प्रा वि हरिजन टोला
कलगीगंज,कहलगाँव

म वि तेतरिया
पूर्वी चंपारण

उ म वि लदनिया महुलिया
मधुबनी

म वि भेकास
भभुआ कैमूर

बालमन

रास्ता खोजे

देशु को तिरंगे तक पहुंचाने में मदद करे।

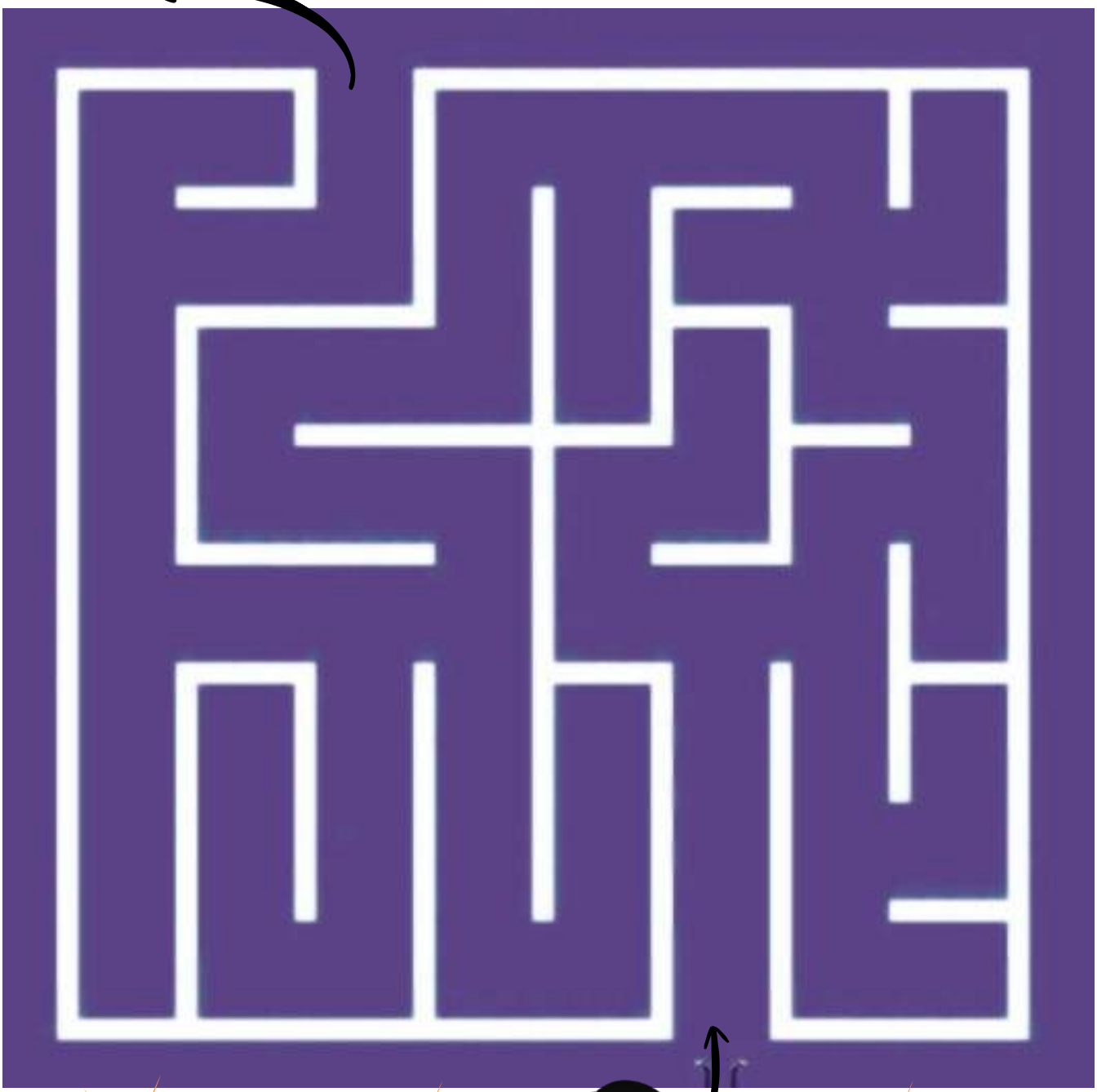

भारतीय राष्ट्रध्वज का इतिहास

1904 में सबसे पहला ध्वज स्वामी विवेकानंद की शिष्या भगिनी निवेदिता ने रवींद्रनाथ टैगोर के भतीजे अवनिंद्रनाथ ठाकुर, शांति निकेतन के कलाकार नंदलाल की मदद से तैयार किया था।
यह ध्वज लाल-पीले रंग का था जिसमें वज्र, सफेद कमल और संस्कृत में "वंदे मातरम्" लिखा गया था। इस ध्वज को औपचारिक रूप से राष्ट्रीय आंदोलन में उपयोग तो नहीं किया गया, लेकिन यह "स्वदेशी आंदोलन" (1905, बंगाल विभाजन) के दौरान सांस्कृतिक प्रतीक बन गया।

7 अगस्त 1906 को कोलकाता के पारसी बागान स्क्वायर (अब ग्रीन पार्क) में जो ध्वज पहली बार फहराया गया था, वह भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के इतिहास में "प्रथम राष्ट्रीय ध्वज" माना जाता है। इस झंडे को भिकाजी रुस्तम कामा, सचिंद्रनाथ बोस और हेमचंद्र कनुंगो की पहल पर तैयार किया गया था। यह ध्वज हरा, पीला और लाल रंग का था। जिसके ऊपरी हरी पट्टी पर कमल, बीच की पीली पट्टी पर बड़े अक्षरों में "वंदे मातरम्" तथा निचली लाल पट्टी पर सूर्य और अर्धचंद्र अंकित था।

1917 में जब एनी बेसेंट और बाल गंगाधर तिलक ने होमरूल आंदोलन शुरू किया, तब पहली बार एक "औपचारिक राजनीतिक ध्वज" सामने आया।
इस ध्वज में पाँच लाल और चार हरी क्षैतिज पट्टियाँ थीं (कुल 9 पट्टियाँ)। इस ध्वज पर यूनियन जैक, सप्तऋषि मंडल, अर्धचंद्र और तारा अन्कित था।

1921 में विजयवाड़ा के कांग्रेस अधिवेशन में आंध्र प्रदेश के किसान और शिक्षा शास्त्री पिंगली वेंकैया द्वारा निर्मित तथा महात्मा गांधी द्वारा संशोधित ध्वज प्रस्तुत किया गया।
इस ध्वज में तीन रंग थे केसरिया, हरा और सफ़ेद। इस ध्वज के बीच में चरखे के द्वारा गांधीजी के स्वदेशी सिद्धांत को ध्वज में जगह मिली। इस ध्वज को 1931 में कांग्रेस ने अपनाया जो कि 1947 तक रहा।

22 जुलाई 1947 को राजेंद्र प्रसाद, जवाहर लाल नेहरू, मौलाना आज़ाद, सरदार पटेल सहित अन्य राष्ट्रवादियों के सुझाव पर संविधान सभा ने वर्तमान तिरंगा ध्वज को भारत का राष्ट्रीय ध्वज घोषित किया। इस तिरंगे में चरखे की जगह अशोक चक्र रखा गया।
15 अगस्त 1947 को पंडित जवाहरलाल नेहरू ने पहली बार लाल क़िले पर यही तिरंगा फहराया। तभी से हम भारतीय इस तिरंगे को अपनी आन बान और शान समझते हैं।

ओम प्रकाश (शिक्षक)
मध्य विद्यालय दोगच्छी, नाथनगर, भागलपुर(बिहार)

बालमन शिक्षा शब्दकोश

मूल्य शिक्षा

मूल्य शिक्षा एक शैक्षिक प्रक्रिया है जिसका लक्ष्य व्यक्तियों में नैतिक मूल्यों, मानकों और स्वभावों को विकसित करना है, जिससे वे सही और गलत को समझ सकें, जिम्मेदार नागरिक बन सकें, और एक अधिक मानवीय और सामंजस्यपूर्ण समाज का निर्माण कर सकें। यह केवल किताबी ज्ञान से परे जाकर करुणा, ईमानदारी, सहिष्णुता, सम्मान और जिम्मेदारी जैसे गुणों को सिखाने पर केंद्रित होती है, जो विद्यार्थियों के समग्र विकास और भावनात्मक बुद्धिमत्ता में सहायक होते हैं।

बालमन क्रॉसवर्ड

उदाहरण

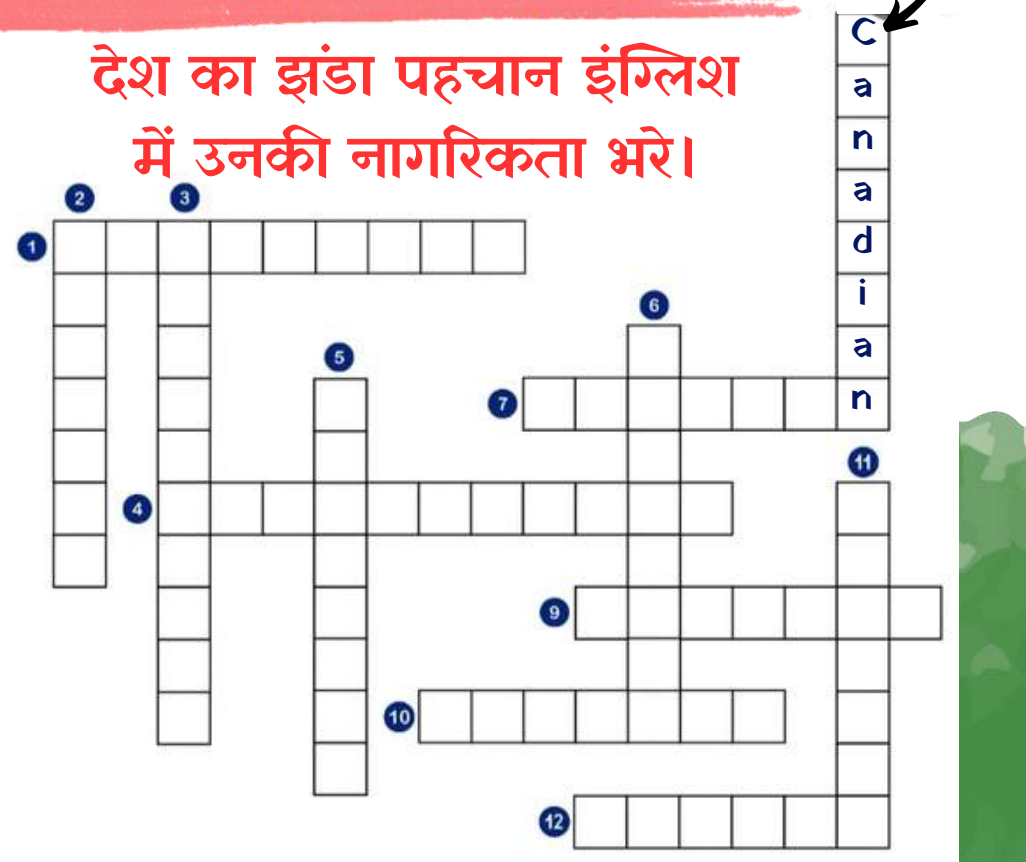

देश का झंडा पहचान इंग्लिश में उनकी नागरिकता भरे।

आप अपने जवाब हमे 9431680675 पर भेज सकते हैं।

मूड फ्रैश हो जाए...

SUDOKU WITH SHAPES

दिए गए सुडोकू को इस प्रकार सजाए की खाली बॉक्स में आकृति को बनाने पर एक तरह की आकृति का दोहराव एक लाइन में न हो।इसका आनंद उठाएं।

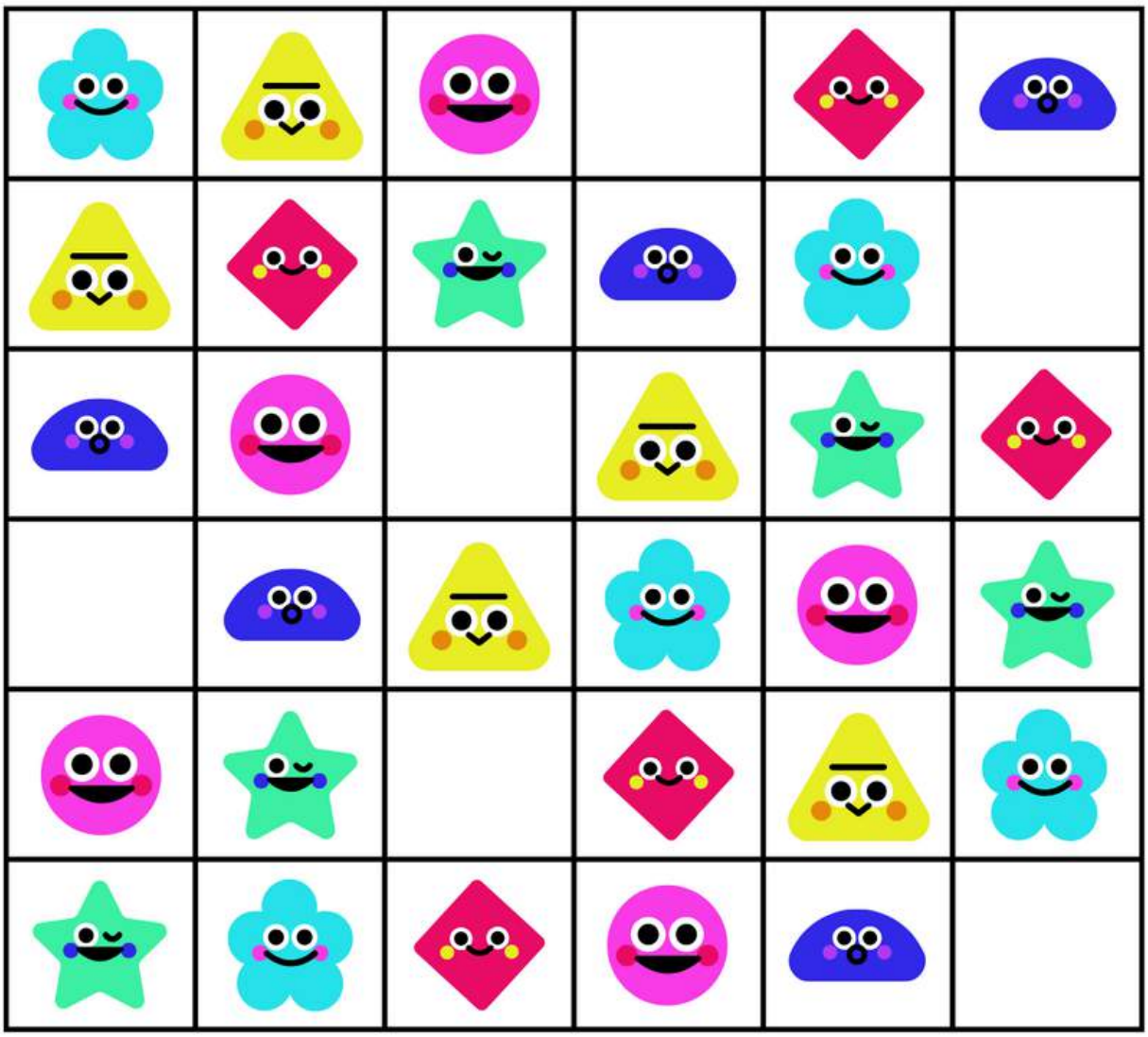

अगर आपको यह सामग्री अच्छी लगे तो आप हमे इसकी फोटो बना कर संपर्क सूत्र 9431680675 पर साझा कर सकते है।

English Corner

OPPOSITE WORDS

Long

Short

Black

White

Happy

Sad

Young

Old

Push

Pull

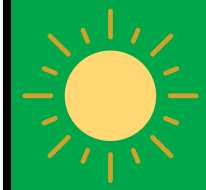
Sunny

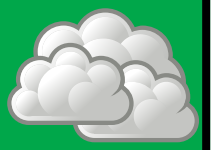
Cloudy

Teachers Of Bihar

आओं सीखें

ध्वजारोहण(Flag Hoisting)

15 अगस्त यानी स्वतंत्रता दिवस वाले दिन राष्ट्रीय ध्वज को ऊपर खींचा जाता है और फिर फहराया जाता है। इसे ध्वजारोहण कहा जाता है। इस दिन आयोजित होने वाले मुख्य कार्यक्रम में देश के प्रधानमंत्री शामिल होते हैं। इस मौके पर प्रधानमंत्री ही ध्वजारोहण करते हैं। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर मुख्य कार्यक्रम का आयोजन दिल्ली के लाल किले पर होता है।

झंडा फहराना(Flag Unfurling)

26 जनवरी यानी गणतंत्र दिवस वाले दिन राष्ट्रीय ध्वज ऊपर बंधा रहता है। उसे खोलकर फहराया जाता है जिसे झंडा फहराना कहते हैं। इस दिन आयोजित होने वाले मुख्य कार्यक्रम में देश के राष्ट्रपति शामिल होते हैं। इस मौके पर राष्ट्रपति झंडा फहराते हैं। वहीं गणतंत्र दिवस के मुख्य कार्यक्रम का आयोजन दिल्ली के कर्तव्य पथ (पूर्व में राजपथ) पर होता है।

संक्षेप में :-

- प्रधानमंत्री देश के राजनीतिक प्रमुख होते हैं जबकि राष्ट्रपति संवैधानिक प्रमुख। देश का संविधान 26 जनवरी, 1950 को संविधान लागू हुआ। उससे पहले न देश में संविधान था और न राष्ट्रपति। इसी वजह से हर साल 26 जनवरी को राष्ट्रपति राष्ट्रीय ध्वज फहराते हैं।

बालमन पेंटिंग
भाग 1

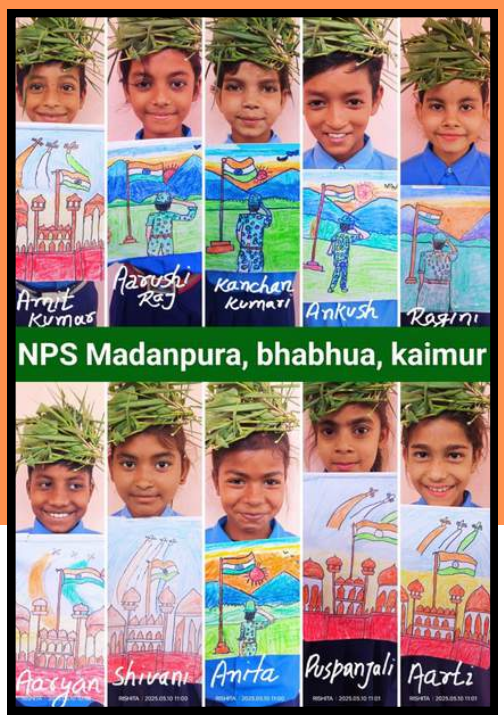

उत्क्रमित मध्य विद्यालय महाराजगंज सदर छपरा (सारण)

प्राथमिक विद्यालय जबदर टोला औलियाबाद,बिहपुर

NPS हरनाटाड, भभुआ, कैमूर

मध्य विद्यालय विष्णुचक, प्रखंड -समेली, जिला -कटिहार

खोजे और मिलाए

संख्या 1 ,3 और 5 को ढूंढे और उसका पता लगाए

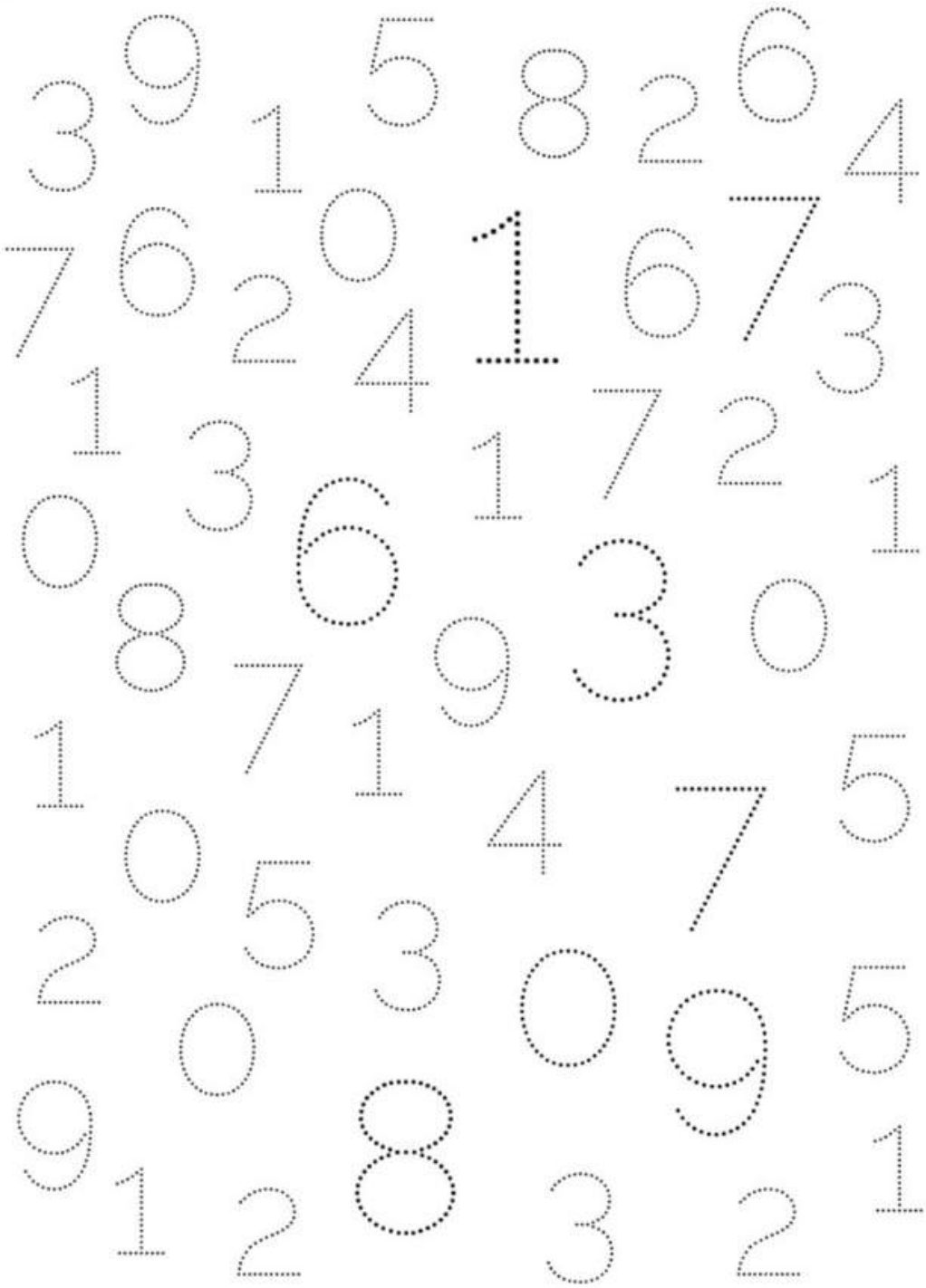

बालमन पेंटिंग

भाग-2

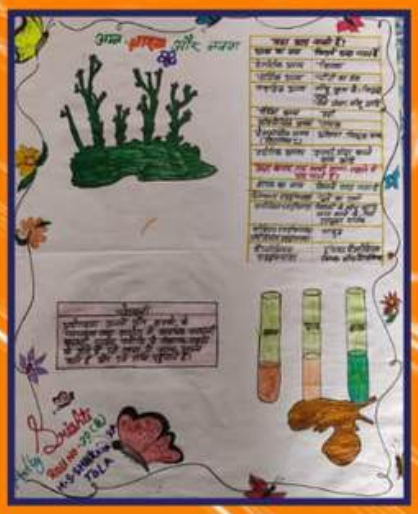

मध्य विद्यालय शाकहरा टोला ,मुंगेर

मध्य विद्यालय बेलगोपी गायघाट मुजफ्फरपुर

प्राथमिक विद्यालय हासिमपुर बालक, बरारी कटिहार

NPS बालरा दुसाद टोली बरौली गोपालगंज

NPS साहू टोला बांध के निकट,जमुनिया चकिया, पूर्वी चंपारण

मध्य विद्यालय शाकहरा टोला ,मुंगेर

मध्य विद्यालय दुर्गा स्थान ,पूर्णिया

मध्य विद्यालय चंदा, चांद, कैमूर

प्राथमिक विद्यालय हासिमपुर बालक, बरारी, कटिहार

प्राथमिक विद्यालय हासिमपुर बालक बरारी, कटिहार

पेड़ लगाओ जीवन बचाओ

ums phulwariya Ghanghti chakiya East champaran

प्राथमिक विद्यालय सरस्वतीपुर, सुपौल

मध्य विद्यालय निजामचक, दिघवारा(सारण)

मध्य विद्यालय मसदी पूर्व ,सुल्तानगंज,भागलपुर

प्राथमिक विद्यालय डारीडीह, भभुआ, कैमूर

प्राथमिक विद्यालय हरिजन फतेहपुर,पटना सदर

NPS बलरा दुसाध टोली, बरौली गोपालगंज

महाबल भृगनाथ +2 उच्च विद्यालय कोरैगांवा बहेरा, भभुआ कैमूर

N.p.s साहु टोला बाँध के निकट, जमुनिया, चकिया पूर्वी चंपारण

मध्य विद्यालय रांटी, मधुबनी

प्रा ०वि ० प्रखंड कॉलोनी फूलवारीशरीफ, पटना

प्राथमिक विद्यालय जगरिया, चैनपुर, कैमूर

NPS बलरा दुसाध टोली, बरौली गोपालगंज

NPS खुटौना यादव टोला , पताही(पूर्वी चंपारण)

उत्क्रमित मध्य विद्यालय गोपालपुर नेउरा सरैया, मुजफ्फरपुर

राजकीय मध्य विद्यालय सेनूअरिया पूर्व चंपारण

NPS हरनाटाड , भभुआ, कैमूर

प्राथमिक विद्यालय महिसाइडिंग,सोनपुर, सारण

मध्य विद्यालय सुखासन कोठी, पूर्णिया

STAY CONFIDENT

बालमन

when you have a difficulty some,
and will face a new problem
this situation make hard to decide
what's a wrong what's a right

why you suffer this doesn't know
without reason get only flow
and yet my prayers I say
don't give problems till today

I ALSO DARE AT THE NIGHT
BECAUSE I. MY DREAM TROUBLES BITE
WHENEVER I TAKE CALM BREATHE
AFTER SOME TIMES PLIGHT HAUNTS THE DEATH

leave the plight and stay confident
because it make big difference
don't you take more stress
enjoy your life with relax

written by
AMRIT RAJ SINGH
Class 10
Bhabua (kaimur)Bihar

बालमन पेंटिंग

भाग-3

मध्य विद्यालय सोनहन भभुआ

UHS सिरहिरा,चांद, कैमूर

उत्क्रमित कन्या मध्य विद्यालय विछियाँ दुर्गावती,कैमूर

NPS नोनरा ,भभुआ, कैमूर

मध्य विद्यालय भेकास भभुआ कैमूर

प्राथमिक विद्यालय हासिमपुर बालक, बरारी, कटिहार

उर्दू प्रा विद्यालय भभुआ कैमूर

उर्दू प्रा विद्यालय भभुआ कैमूर

प्रा ०वि ० प्रखंड कॉलोनी फूलवारीशरीफ, पटना

प्रा विद्यालय हासिमपुर बालक, बरारी, कटिहार

हँसी के हसगुल्ले

अरविंद कुमार
NPS हसनपुरा, भभुआ (कैमूर)

पति रोज रात को शक्कर का डिब्बा खोलकर देखता... और सो जाता..!

पत्नी से रहा नही गया और उसने पति से पूछ ही लिया

"क्यूं जी ये रोज रोज आप शक्कर का डिब्बा खोलकर क्या देखते हो...?"

पतिः- अरे, डॉक्टर ने कहा है.. घर पर रोज रात को शुगर चेक कर लिया करो..!

सोना आभूषण दुकानदार = बहनजी आप हमेशा दुकान पर आती है और सारे गहने देखती है पर लेकर कुछ नही जाती क्यों ?
बहनजी = ले जाती हूं भाईसाहब...आप ही ध्यान नही देते .....

टीचर - भगवान राम वनवास के लिए कब लौटे थे?
स्टूडेंट - जी मैडम 9:15 पर निकले थे।
टीचर _ ऐसा कैसे कहा तुमने?
स्टूडेंट - जी मैडम "वनवास" को उल्टा पढ़कर देख लीजिए।

बालमन

रोचक गणित

MATH

- अगर कागज़ के एक टुकड़े को 103 बार आधा मोड़ने की कोशिश किया जाए तो यह हमारे द्वारा देखे जा रहे ब्रह्मांड की मोटाई के बराबर होगा।
- गूगलप्लेक्स नाम की एक संख्या होती है,जो गूगल की घात 10 के बराबर होती है।अवलोकनीय ब्रह्मांड में इस संख्या को कागज़ पर लिखने के लिए पर्याप्त जगह नहीं है।
- जानवरों की हड्डियों पर मिले चिह्नों से पता चलता है कि मनुष्य लगभग 30,000 ईसा पूर्व से गणित का काम कर रहे हैं।
- एक प्राचीन भारतीय पांडुलिपि, बख्शाली में शून्य चिह्न हैं, जिन्हें सबसे प्राचीन शून्य चिह्न माना जाता है।
- किसी भी समान आकृति की तुलना में वृत्त का परिमाप सबसे छोटा होता है।
- अनंत केवल एक सतत संख्या नहीं है।यह वास्तव में विभिन्न आकारों में आती है,जिनमें गणनीय और अगणनीय अनंत शामिल हैं।
- संख्या 6 को पूर्ण संख्या माना जाता है क्योंकि इसके गुणनखंडों का योग 1+2+3=6 होता है।
- एक मजेदार गणित

  259 × 39 ×आपकी उम्र = आपकी उम्र तीन बार लिखी मिलेगी।

कुमार राकेश मणि (प्रधानाध्यापक)
मध्य विद्यालय कोटा, नुआंव(कैमूर) बिहार

पेन और पेंसिल आर्ट

प्राथमिक विद्यालय माहीसाइडिंग, सोनपुर,सारण

मध्य विद्यालय भेकास, भभुआ ,कैमूर

प्राथमिक विद्यालय जगरिया, चैनपुर, कैमूर

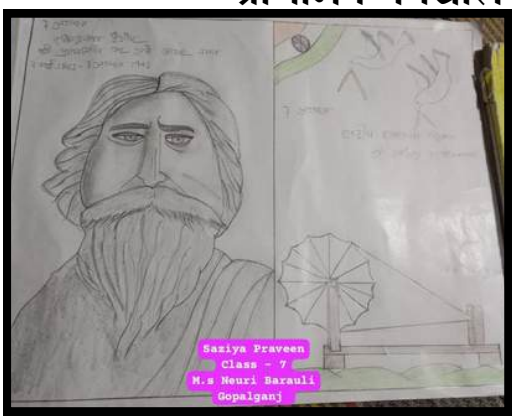

सानिया परवीन,वर्ग 7 मध्य विद्यालय नेऊरी,बरौली,गोपालगंज

UMS सिलौटा, भभुआ, कैमूर

संतोष जी की छात्रा सरौनी कला, मधेपुरा

मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम
(सुरक्षित शनिवार)

राकेश कुमार

माह: August 2025

प्रथम शनिवार दिनांक 02.08.2025	बाढ़ से खतरे एवं डूबने से बचाव के उपाय, कौशल विकास एवं अभ्यास (मॉकड्रिल)
द्वितीय शनिवार दिनांक 09.08.2025	पेयजल की अशुद्धता से होने वाले खतरे एवं इसके उपाय के बारे में जानकारी
तृतीय शनिवार दिनांक 16.08.2025	सांप, बिच्छू दंश एवं अन्य विषैले जीव जंतुओं के काटने से होने वाली परेशानियां एवं उनके समाधान । कुत्ते एवं बंदर का काटना एवं इससे बचाव के उपाय के बारे में जानकारी।
चतुर्थ शनिवार दिनांक 23.08.2025	नाव दुर्घटना एवं पानी में डूबने से बचाव के सन्दर्भ में जानकारी

किसी माह पांचवे शनिवार पड़ने की स्थिति में
बच्चों को स्वच्छता संबधित जानकारी देंगे एवं उसका अभ्यास करायेंगे।

माह: September 2025

प्रथम शनिवार दिनांक 06.09.2025	डायरिया के सम्बन्ध में जानकारी तथा ओ.आर.एस. बनाने से संबंधित कौशल प्रशिक्षण
द्वितीय शनिवार दिनांक 13.09.2025	सड़क / रेल दुर्घटना से बचाव के संदर्भ में जानकारी
तृतीय शनिवार दिनांक 20.09.2025	भूंकप से खतरे एवं बचाव के बारे में जानकारी (मॉकड्रिल)
चतुर्थ शनिवार दिनांक 27.09.2025	नाव दुर्घटना एवं पानी में डूबने से बचाव के संदर्भ में जानकारी

आप सुरक्षित,देश सुरक्षित

STAY SAFE

TOB खेल कॉर्नर

टेनिस से जुड़े महत्वपूर्ण कप और ट्रॉफी

डेविस कप - पुरुषों के लिए राष्ट्रों के बीच टेनिस प्रतियोगिता । पहली बार 1900 में आयोजित किया गया ।
फेड कप - महिलाओं के लिए डेविस कप के समकक्ष। पहली बार 1963 में आयोजित किया गया ।
हॉपमैन कप – राष्ट्रों के बीच पुरुषों और महिलाओं के लिये हर वर्ष दिसम्बर में ऑस्ट्रेलिया में आयोजित । पहली बार 1989 में आयोजित किया गया |
डैफ्ने अखुर्स्ट मेमोरियल कप ऑस्ट्रेलियन ओपन की महिला एकल विजेता को दिया जाता है ।
नॉर्मन ब्रुक्स चैलेंज कप ऑस्ट्रेलियन ओपन के पुरुष एकल विजेता को दिया जाता है ।

स्थान : राजगीर खेल परिसर
राज्य : बिहार
29 अगस्त से 7 सितंबर 2025

ब्लैक बोर्ड आर्ट

मध्य विद्यालय सोनहन, भभुआ, कैमूर

उत्क्रमित मध्य विद्यालय हरिहरपुर, भभुआ, कैमूर

उत्क्रमित मध्य विद्यालय बैजनाथ, रामगढ़, कैमूर

प्राथमिक विद्यालय सरस्वतीपुर, सुपौल

मध्य विद्यालय गौसाघाट , दरभंगा

मध्य विद्यालय दुर्गा स्थान,पूर्णिया

PS Mahi Siding, Sonpur,Saran

न्यू प्राथमिक विद्यालय हरनाटांड़, भभुआ, कैमूर

दर्शनीय स्थल

जेठियन घाटी

कुमार राकेश मणि

बिहार की जेठियन घाटी शांति और प्रकृति का अनसुना ठिकाना है।पहाड़ों की गोद में बसी ये जगह ना सिर्फ खूबसूरत नजारों से भरी है, बल्कि बौद्ध इतिहास की गवाही भी देती है ये जगह अब बिहार का छुपा हुआ हिल स्टेशन बन चुकी है। राजगीर की पहाड़ियों में बसी जेठियन घाटी, अपनी प्राकृतिक सुंदरता और आध्यात्मिक महत्व के लिए प्रसिद्ध एक शांत स्थल है। ऐसा माना जाता है कि भगवान बुद्ध कभी गृध्रकूट (गिद्ध शिखर) की यात्रा के लिए इसी मार्ग से गुजरे थे। जानकारी के मुताबिक, यहां की प्राकृतिक सुंदरता बेहद ही मनोरम है।

जेठियन गांव जाने के लिए आपको पहाड़ पर बनी सड़क से गुजरना होगा।पहाड़ पर बनी सड़क से गुजरने के दौरान आपको यहां का नजारा एकदम मनाली, कुल्लू या दूसरे हिल स्टेशनों जैसा दिखेगा. यहां पहाड़ों को काटकर ही रेलवे लाइन बिछाई गई है।जो भी लोग यहां घूमने जाते हैं, वे यहां की खूबसूरत वादियों के बीच फोटो जरूर ही खिंचवाते हैं।

इस हिल स्टेशन के धार्मिक महत्व की बात करें तो, जेठियन गांव भगवान बुद्ध से जुड़ा है। बताया जाता है कि भगवान बुद्ध इस जगह पर दो बार आ चुके हैं। पहली बार जब ज्ञान की खोज में बोधगया जा रहे थे तो इस जगह पर रुके थे। जबकि दूसरी बार ज्ञान प्राप्ति के बाद फिर वे इस जगह पर आए थे। इस दौरान राजा बिम्बिसार भगवान बुद्ध को इसी रास्ते से स्वागत करते हुए राजगीर के वेणुवन ले गये थे।

पहाड़ की गोद में बसे इस जेठियन वैली में अगर आप भी आना चाहते हैं तो यह जगह गया से 45 किलोमीटर की दूरी पर है सड़क के साथ-साथ ट्रेन की मदद से भी यहां पहुंच सकते हैं। गया स्टेशन से राजगीर के लिए हर दिन ट्रेन चलती है जहां आप जेठियन स्टेशन पर उतर सकते हैं. इसके अलावा सड़क से जाने के लिए आपको गया-गहलौर-जेठियन-राजगीर होते हुए जाना पड़ेगा। जेठियन वैली में पहुंचने के दौरान भी आप हरियाली और ठंडी हवा का मजा ले सकते हैं

गुणकारी फल

ड्रेगन फ्रूट

" कुमार राकेश मणि "
(प्रधानाध्यापक)
मध्य विद्यालय कोटा (नुआंव)
बिहार

ड्रैगन फ्रूट एक चमकीले रंग का ट्रॉपिकल फल है जो हिलोसेरियस अंडटस नामक चढ़ाई वाले कैक्टस पर उगता है, जो आमतौर पर दक्षिण पूर्व एशिया और दक्षिण अमेरिका में पाया जाता है। इस फल का बाहरी हिस्सा स्केल-जैसे उभारों से ढका होता है और यह लाल या पीले रंग के प्रकार में आता है, जिसमें काले बीज और सफेद या लाल रंग का गूदा होता है। इसका स्वाद थोड़ा मीठा और थोड़ा खट्टा होता है।ड्रेगन फ्रूट सिर्फ एक फल नहीं बल्कि सेहत का खजाना है। ड्रेगन फ्रूट में प्रोटीन, फाइबर, आयरन, मैग्नीशियम और विटामिन्स की मात्रा भरपूर होती है। ड्रैगन फ्रूट में पॉलीफेनोल्स, कैरोटीनॉयड और बीटासायनिन जैसे प्लांट कंपाउंड होते हैं। ड्रैगन फ्रूट में एंटीऑक्सीडेंट विटामिन सी, बीटा-कैरोटीन, लाइकोपीन और बीटालेन होते हैं।

ड्रैगन फ्रूट में मौजूद विटामिन सी और कैरोटीनॉयड आपके इम्यून सिस्टम को बढ़ा देने में मदद कर सकते हैं।ड्रैगन फ्रूट में डाइटरी फाइबर की भरपूर मात्रा होती है, जो हमारे पाचन को बेहतर रखने में मदद करसकते हैं।ड्रैगन फ्रूट को आयरन से भरपूर माना जाता है। अगर आपके अंदर खून की कमी है तो आप ड्रैगन फ्रूट का सेवन कर सकते हैं। ड्रैगन फ्रूट में मौजूद विटामिन सी त्वचा में कोलेजन का उत्पादन करने, बालों को मजबूत बनाने और टूटने से बचाने में मदद कर सकता है। ड्रैगन फ्रूट में ओमेगा-3 और ओमेगा-9 फैटी एसिड्स होते हैं, जो हार्ट को हेल्दी रखने में मदद कर सकते हैं।ड्रैगन फ्रूट को लो ग्लाइसेमिक इंडेक्स फ्रूट माना जाता है। ड्रैगन फ्रूट को डायबिटीज के मरीजों के लिए लाभकारी फल माना जाता है।

ड्रैगन फ्रूट सिर्फ एक खूबसूरत फल नहीं है; बल्कि यह एक न्यूट्रीशनल पावरहाउस है ! विटामिन, मिनरल्स और फाइबर से युक्त, यह आपके पेट और समग्र स्वास्थ्य का दोस्त बन जाएगा। यह कांटेदार एंटीऑक्सीडेंट चमत्कार फ्री रेडिकल्स से लड़ता है और डाइजेशन तथा इम्यूनिटी को सहायता प्रदान करता है। अगली बार जब आप स्टोर पर जाएं, तो चिप्स छोड़कर ड्रैगन फ्रूट जरूर ले लें - आपका शरीर आपको धन्यवाद देगा !

बालमन

हम किसी से कम नहीं

UMS सिलौटा, भभुआ , कैमूर

उर्दू प्राथमिक विद्यालय करवडिया चांद, कैमूर

NPS कछार घाट, कुदरा कैमूर

प्राथमिक विद्यालय पार्षद टोला,मजगामा ,पूर्णिया

प्रोजेक्ट बालिका उच्च विद्यालय संझौली, रोहतास

बालमन

कहना जरूरी हैं....

मोबाइल का बढ़ता प्रयोग, एक तरफ जहां वरदान साबित हो रहा है, वहीं दूसरी तरफ अभिशाप भी बन रहा है।मोबाइल फोन ने संचार को बहुत आसान बना दिया है। दुनिया में कहीं भी, किसी से भी, तुरंत संपर्क करना संभव हो गया है। मोबाइल फोन के माध्यम से इंटरनेट का उपयोग करके, ज्ञान और सूचना का विशाल भंडार उपलब्ध है। मोबाइल फोन शिक्षा के क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ऑनलाइन कक्षाएं, शैक्षिक ऐप्स और डिजिटल सामग्री तक पहुंच आसान हो गई है।

मोबाइल फोन के अत्यधिक उपयोग से आंखों में तनाव, गर्दन में दर्द, नींद की समस्या, और अन्य स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं। मोबाइल फोन का अत्यधिक उपयोग ध्यान भटकने का कारण बन सकता है, खासकर जब वाहन चला रहे हों या कक्षा में हों। मोबाइल फोन का अत्यधिक उपयोग सामाजिक अलगाव का कारण बन सकता है, क्योंकि लोग वास्तविक दुनिया से दूर होकर, सोशल मीडिया और ऑनलाइन गतिविधियों में अधिक समय बिताते हैं। मोबाइल फोन की लत लगना एक गंभीर समस्या है, जो छात्रों और युवाओं में अधिक देखी जाती है। मोबाइल फोन का अत्यधिक उपयोग मानसिक स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकता है, जैसे कि चिंता, अवसाद, और तनाव।

अंत मे कहना है कि मोबाइल फोन का उपयोग सावधानी और जिम्मेदारी से किया जाना चाहिए । लोगों को अपने उपयोग को सीमित करना चाहिए, स्वास्थ्य समस्याओं और अन्य नकारात्मक प्रभावों से बचने के लिए ब्रेक लेना चाहिए, और अपने जीवन के अन्य पहलुओं को संतुलित करना चाहिए। इंसान जितना ऑनलाइन होते जा रहा है इंसानियत उतनी ही ऑफलाइन होती जा रही है।

कुमार राकेश मणि (प्रधानाध्यापक)
मध्य विद्यालय कोटा, नुआंव (कैमूर)

विश्व के धरोहर

अजंता की गुफाएं

अजंता की गुफाओं को 1983 में भारत का पहला यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल घोषित किया गया था। इनमें विभिन्न बौद्ध परंपराओं के विभिन्न पूजा स्थल और मठ शामिल हैं। 246 फुट ऊँची चट्टान की दीवार पर बौद्ध देवताओं की विभिन्न मूर्तियाँ भी उकेरी गई हैं। अजंता की गुफाएँ अजंता की पहाड़ियों में वाघोरा नदी के बाएं किनारे के ऊपर एक खड़ी चट्टान को काटकर खोदी गई हैं। इनकी संख्या तीस है, जिनमें अधूरी गुफाएँ भी शामिल हैं, जिनमें से पाँच (गुफाएँ 9, 10, 19, 26 और 29) चैत्यगृह हैं और बाकी संघाराम या विहार हैं। ये गुफाएँ नदी से चट्टानों को काटकर बनाई गई सीढ़ियों से जुड़ी हुई हैं। खुदाई का काम लगभग चार शताब्दियों के अंतराल पर दो अलग-अलग चरणों में किया गया था। पहला चरण दूसरी शताब्दी ईसा पूर्व से पहली शताब्दी ईसा पूर्व तक सातवाहन वंश के शासन काल से मेल खाता है, जबकि दूसरा चरण 5वीं से 6वीं शताब्दी ईस्वी में वाकाटक वंश की बासीम शाखा के अस्माक और ऋषिक सामंतों के साथ शासन करता है।

अजंता की गुफाएँ प्राचीन बौद्ध शैलकृत वास्तुकला की महानतम उपलब्धियों में से एक हैं। अजंता की कलात्मक परंपराएँ कला, स्थापत्य, चित्रकला और समकालीन भारतीय समाज के सामाजिक-सांस्कृतिक, धार्मिक और राजनीतिक इतिहास का एक महत्वपूर्ण और दुर्लभ नमूना प्रस्तुत करती हैं।

मुंबई शहर से लगभग 321 किलोमीटर दूर स्थित, यह गुफा उत्तर-पश्चिम भारत की हरी-भरी पहाड़ियों में छिपी हुई है। यह वाघोरा नदी के किनारे घोड़े की नाल जैसी भी दिखाई देती है। अजंता की गुफाएँ उन लोगों के लिए एकदम सही हैं जो प्राचीन स्थलों की खोज करना और बीते युग के बारे में और जानना पसंद करते हैं। इस खूबसूरत जगह की एक यात्रा आपको अचभित कर देगी और इसकी वास्तुकला की बारीक बारीकियों से आप मंत्रमुग्ध हो जाएँगे।

कुमार राकेश मणि (प्रधानाध्यापक)
मध्य विद्यालय कोटा, नुआंव, कैमूर

बोलती तस्वीरें Part 1

पुष्पा प्रसाद

माह जुलाई की ToB बालमन पत्रिका हमारे विद्यालय की मैम और बच्चियों के हाथ में आई। मैम और बच्ची दोनों ने बालमन पत्रिका पढ़कर काफी खुशी व्यक्त की और उनका कहना है कि यह बच्चों के लिए बहुत ही उपयोगी है।
वंदना कुमारी (प्रधान शिक्षिका)
नवसृजित प्राथमिक विद्यालय साहू टोला बाँध के निकट
जमुनिया चकिया, पूर्वी चंपारण, बिहार

राजकीय कन्या मध्य विद्यालय कुचायकोट, गोपालगंज

मध्य विद्यालय गौसाघाट, दरभंगा

प्राथमिक विद्यालय पार्षद टोला मजगामा, कस्बा, पूर्णिया

ums phulwariya Ghanghti chakiya east champaran

मध्य विद्यालय अरिहाना,आजमनगर(कटिहार)

मध्य विद्यालय सोनहन, भभुआ, कैमूर

प्रा ०वि ० जगरिया, चैनपुर, कैमूर

मध्य विद्यालय रामपुर, भगवानपुर, बांका

प्राथमिक विद्यालय खराटी कुत्तबी, पालीगंज, पटना।

QUIZ TIME

1 भारतीय ध्वज तिरंगे में स्थित अशोक चक्र में कितनी तीलियां हैं?

सही उत्तर : C

A 25 | B 23 | C 24

2 तिरंगे झंडे में अशोक चक्र को कब शामिल किया गया ?

सही उत्तर :A

A वर्ष 1947 | B वर्ष 1957 | C वर्ष 1950

3 तिरंगे झंडे की लंबाई और चौड़ाई का अनुपात क्या है ?

सही उत्तर :B

A 2:3 | B 3:2 | C 5:2

बालमन

बूझो तो जानें

धीरज कुमार

पहेली संख्या 1

एक हाथ से मूंछों पर ताव ।
दूजे हाथ में बंदूक से दुश्मन को दिया घाव।।
आजाद है हम ,इनके योगदान से आजादी में
बहुत पड़ा प्रभाव

उत्तर : चंद्रशेखर आजाद

पहेली संख्या 2

चमक उठी थी तलवार,लड़ी बन
कर मर्दानी।
अपने देश को अंग्रेजों से बचाने
को,दी प्राणों की कुर्बानी।

उत्तर : रानी लक्ष्मीबाई

पहेली संख्या 3

इंकलाब ज़िंदाबाद के नारे से देश
को आजाद करने को पकड़ी जिद।
बहुत बड़ा योगदान दिए,फांसी पर
चढ़ कर हो गए शहीद।।

उत्तर : भगत सिंह

पहेली संख्या 4

80 से अधिक की उम्र में अंग्रेजों से
लड़ के छुड़ा दिए छक्के।
बिहार के इस बाबू के कारनामों से
रह गए हक्के - बक्के।।

उत्तर : वीर कुंवर सिंह

राजेश कुमार सिंह

बालमन

विज्ञान कॉर्नर

बेकिंग सोडा

अम्ल, क्षार और लवण विषय - विज्ञान कक्षा 10

- सामान्य नाम : खाने वाला सोडा
- रासायनिक नाम : सोडियम बाई कार्बोनेट
- रासायनिक सूत्र : $NaHCO_3$

निर्माण विधि :

- बेकिंग सोडा को बनाने में मूल रूप से सोडियम क्लोराइड का उपयोग किया जाता है।

$$NaCl + H_2O + CO_2 + NH_3 \longrightarrow NH_4Cl + \underset{\text{सोडियम बाइकार्बोनेट}}{NaHCO_3}$$

- सोडियम बाईकार्बोनेट एक दुर्बल असंक्षारक क्षारीय लवण है। खाना पकाते समय इसे गर्म करने पर यह निम्न अभिक्रिया होती है।

$$2NaHCO_3 \xrightarrow{\text{Heat}} Na_2CO_3 + H_2O + CO_2$$

उपयोग :

1. बेकिंग पाउडर के निर्माण में
2. सोडा अम्ल अग्निशामक के रूप में
3. एंटासिड के रूप में

बेकिंग पाउडर सोडियम बाईकार्बोनेट एवं टार्टरिक अम्ल जैसे मंद खाद्य अम्ल का मिश्रण है।

विरंजक चूर्ण (ब्लीचिंग पाउडर)

अम्ल, क्षार और लवण विषय - विज्ञान , कक्षा 10

रासायनिक सूत्र : $CaOCl_2$

रासायनिक नाम : कैल्शियम आक्सी क्लोराइड

निर्माण विधि :

क्लोर क्षार प्रक्रिया में उप उत्पाद के रूप में बने क्लोरीन गैस को शुष्क बुझा हुआ चुना पर जब प्रवाहित किया जाता है तो विरंजक चूर्ण का निर्माण होता है।

$$\underset{\substack{\text{Calcium}\\\text{hydroxide}\\\text{(Slaked lime)}}}{Ca(OH)_2} + \underset{\text{Chlorine}}{Cl_2} \longrightarrow \underset{\substack{\text{Calcium}\\\text{oxychloride}\\\text{(Bleaching powder)}}}{CaOCl_2} + \underset{\text{Water}}{H_2O}$$

उपयोग :

1. सूती एवं लिनेन कपड़ों के विरंजन में
2. रासायनिक उद्योगों में एक ऑक्सीकरक के रूप में
3. पीने वाले जल को जीवाणुओं से मुक्त करने के लिए

वाशिंग सोडा

अम्ल, क्षार और लवण विषय - विज्ञान कक्षा 10

- सामान्य नाम : धोने वाला सोडा
- रासायनिक नाम : सोडियम कार्बोनेट डेकाहाइड्रेट
- रासायनिक सूत्र : $Na_2CO_3.10\,H_2O$

- जब हम बेकिंग सोडा को गर्म करते हैं तो हमें सोडियम कार्बोनेट प्राप्त होता है। सोडियम कार्बोनेट के पुन: क्रिस्टलीकरण से धोने वाला सोडा प्राप्त होता है।

$$2NaHCO_3 \xrightarrow{\text{Heat}} Na_2CO_3 + H_2O + CO_2$$

सोडियम बाईकार्बोनेट सोडियम कार्बोनेट

$$\underset{\text{(Sodium carbonate)}}{Na_2CO_3} + 10H_2O \rightarrow Na_2CO_3.10H_2O$$

वाशिंग सोडा का उपयोग

1. काँच, साबुन एवं कागज़ बनाने में
2. कपड़े धोने में
3. जल की स्थाई कठोरता को हटाने में

प्लास्टर ऑफ पेरिस

- सामान्य नाम : प्लास्टर ऑफ पेरिस
- रासायनिक नाम : कैल्शियम सल्फेट हेमिहाइड्रेट
- रासायनिक सूत्र : $CaSO_4.\frac{1}{2}H_2O$

निर्माण की विधि :

जिप्सम का सूत्र : $CaSO_4.2H_2O$

जिप्सम को 373 K पर गर्म करने पर यह जल के अणुओं का त्याग कर कैल्शियम सल्फेट हेमिहाइड्रेट बनाता है । इसे प्लास्टर ऑफ पेरिस कहते हैं।

उपयोग :

1. टूटी हुई हड्डियों को सही जगह पर स्थिर रखने में
2. खिलौना बनाने में, सजावट का सामान बनाने में
3. सतह को चिकना बनाने में

राजेश कुमार सिंह

पुष्पा प्रसाद

बालमन

बोलती तस्वीरें

part 2

प्राथमिक विद्यालय खरांटी कुत्तबी, पालीगंज, पटना

उत्क्रमित मध्य विद्यालय महुलिया लदनियां जिला मधुबनी

NPS हरनाटाड, भभुआ, कैमूर

UMS दुघरा ,भभुआ, कैमूर

Gps Bathna Mehsi, East champaran

NPS बलरा दुसाध टोली, बरौली, गोपालगंज

Middle School Chhitraur ,Matihani ,Begusarai

प्रा ०वि ० प्रखंड कॉलोनी फुलवारीशरीफ, पटना

राजकीय मध्य विद्यालय सेनूअरिया

P. S. Bakshidih Falka katihar

U. M. S Basantpur Mansahi katihar

प्राथमिक विद्यालय महिसाइडिंग,सोनपुर,सारण।

उत्क्रमित मध्य विद्यालय महुलिया लदनिया
जिला मधुबनी

M. S. Lalabhadsara,
दुल्हिन बाजार, पटना

मुद्रा प्रणाली का विकास

अमृता कुमारी(शिक्षिका)
उच्च माध्यमिक विद्यालय बसंतपुर(सुपौल)

बच्चों आज हम लोग जानेंगे कि प्राचीन काल से वर्तमान समय तक मुद्रा के क्या-क्या रूप परिवर्तित हुए हैं।

वस्तु मुद्रा:- सबसे पहले प्रारंभिक काल में वस्तुओं और सेवाओं का लेनदेन वस्तु के बदले वस्तु देकर किया जाता था। जिसे वस्तु विनिमय प्रणाली कहा जाता है। अर्थात वस्तुओं और सेवाओं का आदान प्रदान सीधे होता था ।

धातु मुद्रा :- वस्तु मुद्रा के बाद धातु मुद्रा प्रचलन में आया। ये सोने चांदी तांबा , कांसा इत्यादि धातुओं के बने होते थे जो मुहर एवं सिक्कों के रूप में प्रयोग किए जाते थे इसने वस्तु मुद्रा की कई कठिनाइयां को दूर किया ।

पत्र या कागजी मुद्रा:- कागज के आविष्कार ने कागजी या पत्र मुद्रा को जन्म दिया जो नोट के रूप में छपे होते हैं जिसे देखकर वस्तुओं और सेवाओं का लेनदेन होने लगा।

साख मुद्रा:- बैंकों के स्थापना से साख मुद्रा प्रचलन में आया इसके तहत चेक ,बैंक ड्राफ्ट, बिल,प्रतिज्ञा पत्र के माध्यम से व्यापार में लेनदेन का कार्य किया जाता है।

डिजिटल मुद्रा:- वर्तमान समय में अधिकांशत डिजिटल मुद्रा का प्रयोग किया जाता है इसके तहत लोग पेटीएम, गूगल पे , पे फोन एप के माध्यम से मोबाइल के द्वारा ही वस्तुओं और सेवाओं के मूल्य का भुगतान कर देते हैं।

तिरंगा हमारी शान

मध्य विद्यालय भेकास, भभुआ, कैमूर

UMS गोपालपुर, नेउरा, सरैया, मुजफ्फरपुर

U. M. S Basantpur Mansahi katihar

म0वि0 झपहा उर्दू परिहार सीतामढ़ी

UMS phulwariya Ghanghti chakia Eastchamparn

उत्क्रमित मध्य विद्यालय लदनिया जिला मधुबनी

मध्य विद्यालय सिमराहा प्रखंड फारबिसगंज जिला अररिया

प्रा ०वि ० प्रखंड कॉलोनी फूलवारीशरीफ, पटना

प्राथमिक विद्यालय भनखनपुर, मोहनियां

मध्य विद्यालय मसदी पूर्व सुलतानगंज,भागलपुर

प्राथमिक विद्यालय हाशिमपुर बालक, कटिहार

NPS बलरा दुसाध टोली, बरौली गोपालगंज

अभ्यासार्थ मध्य विद्यालय शेखपुरा

मध्य विद्यालय रांटी ,मधुबनी

UMS phulwariya Ghanghti ,Chakia east champarn

PS Mahi Siding,Sonpur,saran

उर्दू प्राथमिक विद्यालय करवडिया, चांद, कैमूर

NPS हरनाटाड , भभुआ, कैमूर

प्रोन्नत मध्य विद्यालय कठौन,कटोरिया, बांका

बालमन

चेतना सत्र

उत्क्रमित मध्य विद्यालय
फुलवरिया घंघटी,चकिया
पूर्वी चंपारण

मध्य विद्यालय सिमराहा
फारबिसगंज (अररिया)

न्यू प्राथमिक विद्यालय हरनाटांड़
भभुआ (कैमूर)

मध्य विद्यालय मसदी
पूर्व ,सुलतानगंज
भागलपुर

UHS सलथुआ
कुदरा (कैमूर)

प्राथमिक
विद्यालय
छूरछूरिया,
फारबिसगंज
जिला अररिया

बालमन कहानी

10 रुपए की कलम

एक समय की बात है एक लड़का सड़क के किनारे कलम बेच रहा था। उस लड़के का नाम रोहन था। उस लड़के की कलम कोई नहीं खरीदता।

रोहन :- कलम ले लो कलम। 10 रूपय के कलम ले लो भईया सिर्फ 10 रूपय के।

एक आदमी:-ओ बच्चे कितने की एक कलम है?

रोहन :-सिर्फ 10 रूपय के ले लो अंकल

आदमी-मेरे पास तो 10 के नोट या सिक्के नहीं है रहता तो मैं ले लेता। मेरे पास 500 का नोट है।

रोहन : रूकीए । मैं पास के बाजार से पैसे छुट्टे करा लाता हूं ।दीजीए अपने पैसे ।

(आदमी थोड़ी देर सोचता है मैने इसे पैसे दे दिए और यह पैसे लेकर नहीं आया तो।फिर छोड़ो दे देता हूं ,बच्चा है ला देगा)

रोहन :-दीजीर अंकल मै ला दूंगा।बड़ी मेहरबानी आपकी जो कलम खरीद रहे है।

आदमी- दे रहा हूं पर जल्दी ला देना मैं यही रुकता हूं।

(रोहन बाजार जाता है पैसे छुट्टे करने ।एक घंटा हो जाता है और रोहन पैसे लेकर नहीं आता।

आदमी- बड़ा बेईमान लड़का था।मैने उसे पैर दे दी अभी तक नहीं आया।

(वह आदमी अपने घर चला जाता है)

(एक सप्ताह बाद उसी आदमी के घर डोर बेल बजती है। आदमी दरवाजा खोलता है और बच्चे को देख कर ...)

आदमी-हां कौन हो तुम और यहा क्यो आए हो?

राहुल- मैं राहुल हूं। रोहन का भाई जो कलम बेचता है। उस दिन आपके पैसे लेकर जो लड़का गया था मैं उसी का भाई हूँ।

आदमी- अच्छा वो बेईमान जो मेरे पैसे लेकर भागा था।

राहुल - अरे नहीं सर।उस दिन मेरा भाई बाजार मे पैसे छुट्टे करवाने गया था तब उसे एक कार वाले ने मार दिया और अभी उसका पैर टूट गया है उसने ये सब मुझे बताया और मैं आपका पता खोजते - खोजते आपके पैसे देने आ गया।

आदमी: क्या? रोहन का पैर टूट गया है। तुम्हारे माता -पिता क्या करते है कि वह कलम बेचता है?

राहुल- नहीं, हमारे माता पिता नहीं है।

आदमी-ओह !चलो मुझे अपने घर रोहन के पास लेकर चलो।

(राहुल उस आदमी को अपने घर ले जाता है।)

रोहन- अरे अंकल आप यहां !मैने आपके पैसे भिजवाए थे।मिले आपको।

(राहुल से इशारे में बात कर उससे पैसे लेकर आदमी के तरफ बढ़ाया)

आदमी-नहीं यह पैसे भी तुम रख लो। अरे तुम्हे इतनी चोट आई है

रोहन नहीं थोड़ा सा ही तो है सर।

आदमी- स्को मैं डॉक्टर को बुलाता हूं ।

(डॉक्टर आता है और उसे हास्पिटल ले जाता है और कुछ दिनों के बाद ठीक होने पर उस आदमी द्वारा दोनों बच्ची की जिम्मेदारी ले ली जाती है।दोनो अब स्कूल पढ़ने जाते है।)

बच्चो आप अपनी रचना 9431680675 नंबर पर भेज सकते है।

सलमान जुनैद,वर्ग 8
U.M.S. कोहारी, भभुआ ,कैमूर (बिहार)

बालमन रक्षाबंधन Special Day

मध्य विद्यालय अखलासपुर, भभुआ , कैमूर

न्यू प्राथमिक विद्यालय साहू जमनिया बांध के निकट, चकिया , पूर्वी चंपारण

शासकीय प्राथमिक शाला हरदी, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)

यू.एम.एस फुलवरिया घंघटी चकिया पूर्वी चंपारण

प्रा ०वि ० प्रखंड कॉलोनी फूलवारीशरीफ, पटना

प्राथमिक विद्यालय नवानगर, कोचस, रोहतास

मध्य विद्यालय राटी, मधुबनी

उत्क्रमित मध्य विद्यालय छोटका कटरा, मोहनियां कैमूर

NPS हरनाटाड, भभुआ , कैमूर

मध्य विद्यालय भेकास,भभुआ, कैमूर

UHS कोटा नुआंव, कैमूर

राजकीय कन्या मध्य विद्यालय कुचायकोट गोपालगंज

Govt UMS SENUARIYA CHANPATIA West Champaran

Nps हसनपुरा, मोहनियां, कैमूर

UHS सलथुआ , कुदरा कैमूर

NPS हरनाटाड, भभुआ, कैमूर

UMS चंदा , चांद, कैमूर

न्यू प्राथमिक विद्यालय साहू जमनिया बांध के निकट, चकिया , पूर्वी चंपारण

NPS BALRA DUSAD TOLI BARAULI GOPALGANJ

मध्य विद्यालय गौसाघाट, दरभंगा

PS Mahi Siding, Sonpur, Saran

M. S. Lalabhadsara, दुल्हिन बाजार, पटना

NPS BHANKHANPUR Maholiya

प्राथमिक विद्यालय सतीवाड़, शिवसागर, रोहतास

UMS Makhdumpur Phulwari Patna

बालमन

एहसास – मोबाइल में खोता बचपन

छुट्टियों में गांव गया, बच्चों संग समय बिताया।
सोचा था हंसी-खुशी, खेलों का मेला पाएँगे,
पर बच्चों को मोबाइल की दुनिया में उलझा पाया।

पहले था क्या?

पेड़ों पर चढ़ना, मिट्टी में खेलना,
दादा-दादी की कहानियाँ सुनना,
ये सब जीवन का हिस्सा था।

आज है क्या?

खेल की जगह गेमिंग,
संवाद की जगह चैटिंग,
और मूल्यों की जगह
रील्स ने ले ली है।

WHO ने भी माना – Gaming Disorder एक मानसिक रोग है।
नोमोफोबिया – यानी मोबाइल के बिना डर –
बच्चों की नई बीमारी बन चुका है।

क्या करें?

- ✓ स्कूलों में डिजिटल डिटॉक्स अभियान चलाएँ।
- ✓ मोबाइल उपयोग नीति बने।
- ✓ बच्चों को खेल, सांस्कृतिक कार्यक्रमों में जोड़ें।
- ✓ बुजुर्गों से संवाद सत्र कराएँ।

"जब फोन तार से बंधा था, इंसान आज़ाद था,
जबसे फोन तार से आज़ाद हुआ, इंसान बंध गया। "

अब हमारा संकल्प

"हम सिर्फ पढ़ाएंगे नहीं,
बच्चों को जीना भी सिखलाएंगे।"

राम कृष्ण कांत तिवारी(शिक्षक)
UMS असलान रामपुर, गड़हनी
(भोजपुर)बिहार

बालमन कहानी

जंगल में प्रतियोगिता

एक बार जंगल के राजा (शेर) ने सोचा क्यों ना जंगल में एक पाक कला की प्रतियोगिता रखी जाए । इससे उन्हें एक दूसरे से सीखने का भी अवसर प्राप्त होगा तो उन्होंने सारे जानवरों (हाथी, गिलहरी,भालू, लोमड़ी, सियार ,कुत्ता, इत्यादि) को एक सभा में बुलाया और अपनी योजना बताई। सभी तैयार हो गए इसके साथ ही राजा ने कहा सबों को भोजन खुद से ही तैयार करके कल लाना है, और जिसका भोजन सबसे स्वादिष्ट होगा उसे मैं इनाम दूंगा सबों ने कहा ठीक है। पर अपने आपको सर्वश्रेष्ठ करने के चक्कर में (भालू, लोमड़ी, सियार, कुत्ता) उन्होंने सोचा क्यों इतना मेहनत करने का राजा को क्या पता चलेगा सबने होटल से आर्डर कर खाना मंगवा लिया । इधर गिलहरी और हाथी दोनों ने मिलकर भोजन तैयार किया , जिसमें बिरयानी, पनीर की सब्जी , लौकी का रायता , गाजर का हलवा और जलेबी बनाया बाकी के जानवर ने होटल से पिज़्ज़ा, बर्गर ,चाऊमीन , और समोसा मंगवाया सभी अच्छे-अच्छे कपड़े पहन करके प्रतियोगिता में शामिल होने के लिए अपने दुकान लगा लिए वहीं गिलहरी और हाथी दादा सारा दिन भोजन तैयार करने के चक्कर में खुद के कपड़े भी सही ढंग से नहीं पहन सके थे वैसे ही आ गये । सभी जानवर उन्हें देखकर बहुत हंस रहे थे और सभी ठिठोली कर रहे थे। कपड़े तो ठीक ढंग से पहन नहीं सकते भोजन क्या तैयार किया होगा । इन लोगों के भोजन को शेर राजा जी चखेंगे ही नहीं । शेर राजा बारी – बारी से भोजन चखने के क्रम में कुछ प्रश्न भी पूछ रहे थे पर वे सभी जवाब नहीं दे पाए क्योंकि उन्होंने खुद से भोजन तैयार ही नहीं किया था तो जवाब क्या देते इसमें वे सभी पकड़े गए ।अब गिलहरी और हाथी की बारी आई इनसे भी भोजन के बारे में प्रश्न पूछा गया उन्होंने सारे जवाब सही-सही दिया । इनका भोजन भी राजा को बहुत स्वादिष्ट लगा। उन्होंने गिलहरी और हाथी को विजेता घोषित कर दिया । बाकी जानवरों से कहा की सफलता हासिल करने के लिए चोरी का सहारा नहीं लेना चाहिए आप लोगों ने बिना मेहनत किए मेरे लिए भोजन लाया और वह भी सेहत के लिए बहुत हानिकारक देखो इन्होंने सिर्फ भोजन ही नहीं तैयार किया उन्होंने हमारे लिए पौष्टिक आहार तैयार किया जिससे हमारा स्वास्थ्य अच्छा रहे हमेशा मेहनत करके सफलता हासिल करनी चाहिए चोरी से किये हुए काम पर कभी सफलता हासिल नहीं होती सभी जानवरों को अपनी गलती का एहसास हो चुका था उन्हें यह समझ में आ गया मेहनत करके सफलता हासिल करनी चाहिए। इसके बाद सभी अपनी गलती के लिए राजा से माफी मांगे और ऐसी गलती न करने की कसम खाई । गिलहरी और हाथी दादा को शाबाशी भी दिया।

लवली कुमारी
उत्क्रमित मध्य विद्यालय
अनूपनगर,बारसोई(कटिहार)बिहार

"बालमन प्रतियोगिता" यात्रा के अनुभव पर आधारित

यात्रा वृत्तांत

✍️मेरी अयोध्या जी यात्रा: एक निजी आध्यात्मिक कहानी
(17-19 जून-2025)🙏
यात्रा आभार-वंदे भारत एक्सप्रेस,पटना से अयोध्या जी, (22345/46),भारतीय रेल,भारत सरकार।
आवासन एवं जल पान-हरि कृष्ण सदन पेइंग गेस्ट हाउस,अयोध्या जी।

शुरुआत

जब सुबह का सूरज अयोध्या की गलियों को धीरे-धीरे चूमता है , तो ऐसा लगता है जैसे मैं घर पर ही हूँ। जब मैं यहाँ आया, तो मुझे इस शहर से जुड़ाव महसूस हुआ, जैसे यह हमेशा से मेरा इंतज़ार कर रहा था।

किंवदंतियों को गले लगाना

अयोध्या सिर्फ़ एक शहर नहीं है; यह एक जीवित किंवदंती है। जब मैं इसकी प्राचीन गलियों में घूम रहा था, तो मैं भगवान राम की कहानियों की गूँज को महसूस किए बिना नहीं रह सका, जो अयोध्या के अस्तित्व के ताने-बाने में बुनी हुई हैं।

मंदिर और शांति

अयोध्या के सबसे आकर्षक पहलुओं में से एक इसके मंदिर हैं। राम जन्मभूमि की पवित्र भूमि से लेकर हनुमान गढ़ी की शांत सुंदरता तक, प्रत्येक मंदिर दैनिक जीवन की हलचल से एक आश्रय प्रदान करता है।

जीवन का जश्न

अयोध्या में हर दिन उत्सव जैसा लगता है। चाहे वह दिवाली के रंग हों जो रात के आसमान को रोशन करते हैं या राम नवमी के जयकारे, इस शहर में हमेशा जश्न मनाने का कोई न कोई कारण होता है।

अनेकता में एकता

अयोध्या संस्कृतियों और परंपराओं का संगम है, जहाँ सभी क्षेत्रों के लोग सद्भावनापूर्वक एक साथ आते हैं। यह एक ऐसी जगह है जहाँ मतभेदों का जश्न मनाया जाता है, उनका तिरस्कार नहीं किया जाता और जहाँ दयालुता की कोई सीमा नहीं होती।

अतीत के संरक्षक

अयोध्या के प्राचीन स्थलों और स्मारकों को देखने के दौरान मैं विस्मय और श्रद्धा की भावना से खुद को रोक नहीं पाया। यह स्पष्ट है कि अयोध्या के लोग अपनी विरासत को भविष्य की पीढ़ियों के लिए संरक्षित करने में बहुत गर्व महसूस करते हैं।

एक कालातीत संबंध

अयोध्या में मेरा समय समाप्त होने को है, इसलिए मैं यहाँ से जाने के लिए अनिच्छुक महसूस कर रहा हूँ। इस शहर ने मेरे दिल में अपनी जगह बना ली है, और ऐसी यादें छोड़ गया है जिन्हें मैं हमेशा संजो कर रखूँगा।

उपसंहार: एक यात्रा का अंत

अयोध्या नगरी को अलविदा कहते हुए मुझे पता है कि यह अलविदा नहीं है, बल्कि तब तक है जब तक हम फिर से नहीं मिलते। क्योंकि अयोध्या हमेशा मेरा एक हिस्सा रहेगी, जो जीवन की मेरी यात्रा में मेरा मार्गदर्शन करेगी।🙏

साभार,मृणाल गौतम,
स्नातकोत्तर शिक्षक-अंग्रेजी,बिहार विद्यालय शिक्षक कैडर-2023,शिक्षा विभाग,बिहार सरकार।
विद्यालय-उच्च माध्यमिक विद्यालय,महथि धर्मचन्द,प्रखंड-पातेपुर,
अनुमंडल-महुआ,जिला-वैशाली, राज्य-बिहार,राष्ट्र-भारत।

ASTROCISE
TEACHERS OF BIHAR
THE CHANGE MAKERS
23rd August
NATIONAL SPACE DAY
India Celebrates 2nd
NATIONAL SPACE DAY
23 अगस्त 2025
के अवसर पर शुभारंभ
ASTROCISE JUNIOR
"Space-Inspired Fitness for Every Child"
आर्यभट्ट से गगनयान तक
प्राचीन ज्ञान से अनन्त संभावनाओं तक
अधिक जानकारी के लिए QR कोड स्कैन करें

NATIONAL SPACE DAY
ASTROCISE JUNIOR
GSLV INDIA
Galaxy A73 5G

National Teachers Award 2025
Congratulations
Kumari Nidhi
PRIMARY SCHOOL SUHAGI,
KISHANGANJ, BIHAR
Dilip Kumar
LALIT NARAYAN LAXMI NARAYAN
PROJECT GIRLS HIGH SCHOOL, SUPAUL,
TEACHERS OF BIHAR
THE CHANGE MAKERS
Congratulations for getting 'National Teacher's Award 2025' and making Bihar proud. We feel honored for members like you in our 'Teachers of Bihar' family.
Keep Shining brightly...
www.teachersofbihar.org

बालमन

वर्ष 2025 की पत्रिका को पढ़ने के लिए पत्रिका पर क्लिक करें।

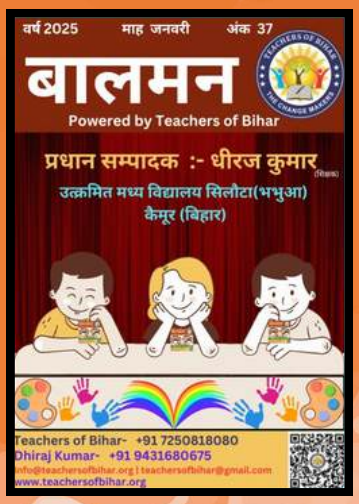

जनवरी 2025

फरवरी 2025

मार्च 2025

अप्रैल 2025

मई 2025

जून 2025

जुलाई 2025

आप टीचर्स ऑफ बिहार बालमन पत्रिका से जुड़ कर बच्चों की प्रतिभा को एक आयाम देना चाहते हैं तो जरूर संपर्क करे ।

प्रधान सम्पादक: धीरज कुमार (शिक्षक)
उत्क्रमित मध्य विद्यालय सिलौटा, भभुआ, कैमूर (बिहार)

Teachers of Bihar : +917250818080
Dhiraj Kumar : +91 9431680675
teachersofbihar@gmail.com
www.teachersofbihar.org

ToB बालमन के व्हाट्सएप ग्रुप से जुड़ने के लिए QR कोड को स्कैन करे या क्लिक करे।